



प्रेस समाचार

राजिपथ, छाणक्षयपुरी, नई दिल्ली 110021 फोन: 011-24198000 एक्सटेंशन: 8827 फैक्स: 011-24198817
ईमेल: mpl@pd.state.gov इंटरनेट वेबसाइट: <http://usembassy.state.gov/delhi.html>

28 अप्रैल, 2006

अमेरिकी अधिकारी ने सलाम बालक ट्रस्ट का दौरा किया

नई दिल्ली -- अमेरिकी विदेश विभाग की उपमंत्री (मैनेजमेंट) हेनरीटा एच. फोर ने आज नई दिल्ली के पास स्थित गैर-सरकारी संगठन सलाम बालक ट्रस्ट के संपर्क केंद्र तथा लड़कों के शेल्टर का दौरा किया। इस परियोजना को अमेरिकी सहायता मिलती है और इसका प्रबंधन अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) द्वारा किया जाता है।

दौरे के दौरान सुश्री फोर ने फेमिली हेल्थ इंटरनेशनल के माध्यम से यूएसएड द्वारा एचआईवी/एड्स के प्रति व्यापक जागरूकता तथा सुरक्षा परियोजना में किए जा रहे सहयोग का निरीक्षण किया तथा देखा कि यूएसएड सलाम बालक ट्रस्ट के माध्यम से बेघर तथा असुरक्षित बच्चों की विशेष आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कैसे कार्य कर रहा है। इस परियोजना की शुरुआत सितंबर 1999 में की गई थी तथा यह 4 से 13 साल की आयु वर्ग के बेघर बच्चों को भोजन, चिकित्सा सहायता, शिक्षा तथा जरूरी आपूर्ति करता है। यह घर से भागे हुए बच्चों का पुनर्वास करता है तथा जब उचित होता है तो उनके परिवार से उन्हें मिला देता है।

सुश्री फोर रेलवे स्टेशन से पैदल चलकर पुलिस पोस्ट के ऊपर स्थित लड़कों के मीटिंग केंद्र गई। इसके बाद वे रेलवे स्टेशन के सामने पहाड़गंज में सलाम बालक ट्रस्ट गई, उन्होंने ट्रस्ट की अध्यक्षा सुश्री प्रवीन नायर से गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। बच्चों ने अपनी "अमेरिकी दीदी" के लिए नृत्य प्रस्तुत किया।

बाद में बच्चों को संबोधित करते हुए उपमंत्री फोर ने कहा, "मैं अमेरिका से मित्र के रूप में आई हूं। जैसा कि आप अपने जीवन के बारे में सोचते हैं मुझे आशा है आप डॉक्टर और शिक्षक बनने तथा अमेरिका आने के बारे में सोचेंगे।"

हेनरीटा फोर ने अमेरिकी विदेश विभाग में उपमंत्री (प्रबंधन) के रूप में अगस्त 2005 में शपथ ली थी। इस भूमिका के रूप में वे जनता, संसाधनों, सुविधाओं, प्रौद्योगिकी तथा विदेश विभाग की सुरक्षा के लिए उत्तरदायी हैं तथा वे प्रबंधन मुद्दों पर विदेश मंत्री की मुख्य सलाहकार हैं।

अपनी नियुक्ति से पूर्व फोर ने ट्रेजरी विभाग में अमेरिकी टकसाल के 37वें डायरेक्टर रूप में कार्य किया है। अमेरिकी विभाग में 1989-1993 तक उन्हें राष्ट्रपति ने सहायक प्रशासक के रूप में नियुक्त किया था तथा उसके बाद वे एशिया की सहायक प्रशासक नियुक्त की गईं।
